IMPAR
Indian Muslims for Progress and Reforms

IMPAR 11 Points Advisory to Deal with the Current Crisis

12 June 2022 I New Delhi | www.impar.in

As we know the situation is becoming alarming due to the recent spate of violence in different parts of the country and subsequent police crackdown, reportedly with excessive use of force. IMPAR is issuing the following guidelines to help the community deal with the situation;

1. Please do not be provoked by the speeches or instigations by misguided or vested elements and join agitation or stone pelting. In civilised world there is no place for violent reactions.
2. In the case of blasphemy, with the action taken against the culprits the message is gone to the rest. Let the matter end here. Islam is not about the violent reactions but informed responses. Please learn from the life of our beloved Prophet (PBUH), who would respond such offensives by gestures of peace and goodwill rather than violence.
3. Taking law into hands must be avoided any cost. If there are hate speeches or hurting of religious sentiments the best course is to lodge multiple FIRs against the offenders. By doing violence you are doing more damage to Islam and the Muslim community than any good.
4. The community members need to be extra vigilant as anti social elements may take advantage of the situation and creep in to create violence and the blame will come to the community, as reported by few digital channels today.
5. Please form 10-15 members Mohalla wise committees in case of bigger municipal corporation cities and 25-30 member city committees in case of smaller municipality level cities. This will serve as important social safety network.
6. Please create WhatsApp groups to message them all in case of emergency. The committee may comprise of prominent advocates, journalists, social workers, retired government officers, members of clergy etc.
7. If protests are to be done, these must be fully peaceful and with the permission of the police. The committee should meet the local police and give its letter for permission and seek police deployment to prevent any anti social elements from entering.
8. Facebook live must be done from the protest sites and also at homes when police enters the house, either to question or arrest. This will be irrefutable record and evidence, in case of any excesses or any unfortunate incident happens.
9. In case of any unfortunate incident, community members must do thorough assessment of the damage and fact finding of the incident, and based on that an objective report to be prepared. The same may be released to media and circulated on social media for subsequent legal and other actions.
10. Please keep contact numbers of senior police and administration, public representatives and media persons to send them SOS in case of police crackdown with out proper papers or procedures or high handedness.
11. There are lots of videos being shared where the victim is seeking help without putting any details. This simply wastes time of everyone. Please put your name, contact details, date and time, address, city or district and local police station name. This will help in rushing the needed help.

In this critical time, the community is advised to be focussed on maintaining peace through meetings and dialogues with police and peace committees, prominent citizens and social and cultural organisations. In cases of any incidents or arrests, taking help of lawyers is advisable. Many community organisations are providing free legal aid. IMPAR person, Saif Ali 9311770524 may also be contacted for such help.

Dr. MJ Khan
President, IMPAR
+91-9560097890
mjkhan@impar.in

IMPAR
Indian Muslims for Progress and Reforms

वर्तमान संकट से निपटने के लिए इम्पार का ११ सूत्रीय परामर्श

12 जून 2022 | नई दिल्ली | www.impar.in

जैसा कि हम जानते हैं कि देश के विभिन्न हिस्सों में हाल ही में हुई हिंसा और उसके बाद पुलिस की कार्रवाई, कथित तौर पर अत्यधिक बल प्रयोग के कारण स्थिति चिंताजनक होती जा रही है। समुदाय को स्थिति से निपटने में मदद करने के लिए IMPAR निम्नलिखित दिशानिर्देश जारी कर रहा है;

1. कृपया गुमराह या निहित तत्वों द्वारा भाषणों या उकसाने से उत्तेजित न हों और आंदोलन या पथराव में शामिल न हों। सभ्य दुनिया में हिंसक प्रतिक्रियाओं के लिए कोई जगह नहीं है।
2. पैगम्बर साहब की शान में गुस्ताखी के मामले में दोषियों के खिलाफ की गई कार्रवाई से संदेश बाकी लोगों को चला गया है. बात यहीं खत्म हो जाए। इस्लाम हिंसक प्रतिक्रियाओं के बजाय ज्ञान प्रतिक्रियाओं के बारे में है। कृपया हमारे प्यारे पैगंबर (PBUH) के जीवन से सीखें, जो हिंसा के बजाय शांति और सद्भावना के इशारों से इस तरह के अपराधों का जवाब देते थे।
3. कानून को हाथ में लेने से किसी भी कीमत से बचना चाहिए। यदि अभद्र भाषा या धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई जाती है तो अपराधियों के खिलाफ कई शहरों में प्राथमिकी दर्ज करना सबसे अच्छा तरीका है। हिंसा करके आप इस्लाम और मुस्लिम समुदाय को नुकसान ही पहुंचा रहे हैं।
4. समुदाय के सदस्यों को अतिरिक्त सतर्क रहने की जरूरत है क्योंकि असामाजिक तत्व स्थिति का फायदा उठा सकते हैं और हिंसा पैदा कर सकते हैं और दोष समुदाय पर आएगा, जैसा कि आज कुछ डिजिटल चैनलों द्वारा रिपोर्ट किया गया है।
5. कृपया बड़े नगर निगम शहरों के मामले में 10-15 सदस्य और छोटे नगर पालिका स्तर के शहरों के मामले में 25-30 सदस्यीय नगर समितियां गठित करें। यह महत्वपूर्ण सामाजिक सुरक्षा नेटवर्क के रूप में काम करेंगी।
6. आपात स्थिति में उन सभी को संदेश भेजने के लिए कृपया व्हाट्सएप ग्रुप बनाएं। समिति में प्रमुख अधिवक्ता, पत्रकार, सामाजिक कार्यकर्ता, सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी, धर्मगुरु शामिल हो सकते हैं।
7. यदि विरोध प्रदर्शन करना है तो यह पूरी तरह शांतिपूर्ण और पुलिस की अनुमति से होना चाहिए। समिति को स्थानीय पुलिस से मिलकर अनुमति के लिए अपना पत्र देना चाहिए और किसी भी असामाजिक तत्वों को रोकने के लिए पुलिस की तैनाती की मांग करनी चाहिए।
8. फेसबुक लाइव विरोध स्थलों से और घरों में भी किया जाना चाहिए जब पुलिस घर में प्रवेश करती है, या तो पूछताछ या गिरफ्तारी के लिए। यह अकाट्य रिकॉर्ड और सबूत होगा, यदि कोई ज्यादती या कोई दुर्भाग्यपूर्ण घटना होती है तो बड़ी मदद मिलेगीI
9. किसी भी दुर्भाग्यपूर्ण घटना के मामले में, समुदाय के सदस्यों को घटना की तथ्य खोज का गहन मूल्यांकन करना चाहिए, और उसके आधार पर एक उद्देश्यपरक रिपोर्ट तैयार की जानी चाहिए। इसे मीडिया को जारी किया जा सकता है और बाद में कानूनी और अन्य कार्रवाइयों के लिए सोशल मीडिया पर प्रसारित किया जा सकता है।
10. पुलिस कार्रवाई यदि बिना उचित कागजात या प्रक्रियाओं के होती है या ज्यादती की जाती है ऐसे मामलों में एसओएस भेजने के लिए कृपया जिले के वरिष्ठ पुलिस और प्रशासनिक अधिकारीयों, जनप्रतिनिधियों और मीडियाकर्मियों के संपर्क नंबर रखें।
11. आज कल बहुत सारे वीडियो शेयर किए जा रहे हैं जहां पीड़िता बिना कोई जानकारी दिए मदद मांग रही है। यह सभी का समय बर्बाद करता है। कृपया अपना नाम, संपर्क विवरण, तिथि और समय, पता, शहर या जिला और स्थानीय पुलिस स्टेशन का नाम डालें। यह आवश्यक मदद को जल्दी करने में मदद करेगा।

इस महत्वपूर्ण समय में, समुदाय को पुलिस और शांति समितियों, प्रमुख नागरिकों और सामाजिक और सांस्कृतिक संगठनों के साथ बैठकों और संवादों के माध्यम से शांति बनाए रखने पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह दी जाती है। किसी भी घटना या गिरफ्तारी के मामलों में वकीलों की मदद लेने की सलाह दी जाती है। कई सामुदायिक संगठन मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान कर रहे हैं। ऐसी मदद के लिए IMPAR के सैफ अली 9311770524 से भी संपर्क किया जा सकता है।

डॉ। एमजे खान
अध्यक्ष, इम्पार
+91-9560097890
mjkhan@impar.in